लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-6

“चूत चुदाई में अदला बदली के कुछ माह बाद हमारी शादी हो गई। शादी में मेरे पति का जीजा मुझे काफ़ी छेड़ रहा था। उसने हमें सुहागरात के लिये कमरे में बन्द कर दिया। …”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)
Posted: बुधवार, नवम्बर 16th, 2016
Categories: इंडियन बीवी की चुदाई
Online version: लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-6

टोनी की जिद पर हार कर हमने अपने कपड़े पहन लिए।
ब्रा पैन्टी तो पहननी ही थी उसके ऊपर एक शार्ट स्कर्ट और टॉप पहनना था। खैर हम दोनों कपड़े पहन कर तैयार हुई।

फिर उसने एक इंग्लिश म्यूजिकल सांग लगा दिया और हम दोनों से बोला कि यह म्यूजिकल गाना पन्द्रह मिनट का है और इस गाने पर हम दोनों को डांस करना है, डांस करते-करते अपने एक-एक कपड़े उतारने हैं और उसे (टोनी) और रितेश को उत्तेजित करना है।

मीना तुरन्त तैयार हो गई पर मुझे पता नहीं था कि कैसे करना है। मैंने इशारो ही इशारों में मीना से पूछा तो मीना बोली कि जैसे वो करे उस देख कर वो करती रहे।

रितेश और टोनी सोफे पर बैठ गये।

मीना मुझसे चिपक कर अपने एक हाथ को मेरे कमर पर रख कर अपनी कमर को मटकाने लगी।
अब उसके हाथ धीरे-धीरे मेरे पिछवाड़े चलने लगे और मैं भी समझने के बाद मीना के पिछवाड़े को सहलाने लगी।
कभी मेरा पिछवाड़ा उन दो मर्दों के सामने होता तो कभी मीना का।

मीना के अगले स्टेप में वो मेरी स्कर्ट को ऊपर करती और मेरी पैन्टी को हल्का सा नीचे करके मेरे चूतड़ को सहलाती और फिर पैन्टी ऊपर कर देती।
जिस तरह से वो करती, उसी तरह मैं भी करती।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्तो, मैं केवल मीना के स्टेप को बता रही हूँ और आप सभी मेरे चाहने वाले यह समझ लेना कि जो स्टेप मीना ने मेरे साथ किया था उसी स्टेप को मैंने दोहराया है।

फिर मीना ने मेरे टॉप को ऊपर करके ब्रा का हुक खोल दी और फिर मेरी टॉप भी उतार दी।

अब हम दोनों कमर के ऊपरी हिस्से में नंगे हो चुके थे।
मेरी और मीना की चूची आपस में चिपकी हुई थी और मीना मेरे होंठों का रसास्वादन कर रही थी कि अचानक मीना ने मुझे घुमा दिया। अभी तक मेरा पिछवाड़ा दोनों के सामने था, लेकिन अब मेरी उछलती हुई चूचियाँ उन दोनों के सामने थी।

मीना ने मेरे दोनों हाथ को ऊपर हवा में उठा कर अपने कंधे में रख लिए और मेरी चूचियों से खेलने लगी।
वो बीच-बीच में मेरे कानों को काटती तो कभी मेरे कंधे को चूमती, मेरी घुमटियों को मसलती।

फिर झटके से मीना ने मेरी स्कर्ट को भी उतार दिया।
अब हम दोनों ही केवल पैन्टी में थी और एक दूसरी से चिपकी हुई थी और एक दूसरे के चूतड़ को सहला रहे थे।
ऐसा करते करते कब हम दोनों के जिस्म से पैन्टी भी उतर गई पता नहीं चला।

फिर हम दोनों इस तरह से झुक गई कि उन दोनों को हमारे गांड और चूत एक साथ दिखाई पड़े।
हम बैले डांस की तरह अपने चूतड़ हिला ही रही थी कि अचानक टोनी ने म्यूजिक को पॉज कर दिया और दो दुपट्टे को हम दोनों की तरफ उछालते हुए सलमान स्टाईल में डांस करने के लिये बोला।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हमने दुपट्टा उठाया और अपनी टांगों के बीच फंसा कर अपनी चूत को उस दुपट्टे से रगड़ने लगी।

इधर हम लोग दुपट्टे से अपनी चूत रगड़ रहे थे उधर रितेश और टोनी अपने-अपने लंडों को मसल रहे थे।

हम चारों लोग अगले दो दिनों तक टोनी के घर पर इसी मस्ती के साथ लंड चूत का खेल खेलते रहे और चुदाई के नये-नये तरीके सीखते रहे।

कुल मिला कर यह ट्रिप बहुत ही अच्छा था।
हम लोग भी इस खेल में माहिर हो चुके थे।

जब हम लोग दिल्ली से लौट रहे थे तो रास्ते में लोगों की नजर बचा कर कभी मैं रितेश के लंड को दबा देती और कभी रितेश मेरी चूची को दबा देता या फिर मेरी चूत के साथ छेड़खानी कर देता।

पब्लिकली ऐसा करने में भी एक आनन्द सा मिल रहा था।
मेरे साथ कहानी की शुरूआत हो चुकी थी और रितेश के अलावा पहला गैर मर्द टोनी था जिसने मेरी चूत की धज्जियाँ उड़ा दी।
और उस दिन से एक बात समझ में आई कि हम औरतों के पास ऊपर वाले की दी वो नियामत है जिसके बल पर वो जिन्दगी के मजे भी लूट सकती हैं और चाहे मर्द कैसा भी हो, उसे अपना गुलाम बना सकती हैं।

मेरी इसी उधेड़बुन में मेरा अपना शहर कब आ गया मुझे पता ही नहीं चला।
हम लोग वापस अपने घर आ गये।

अब मैं और रितेश एक-दूसरे की जरूरत बन गये थे, मुझे जब खुजली होती तो मैं अपनी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

खुजली मिटाने उसके घर पहुँच जाती और जब उसको मेरी चूत चाहिये होती तो वो मेरे घर आ जाता।

हम दोनों के माँ-बाप भी हम दोनों की शादी के लिये तैयार हो गये थे और हमारे सेमेस्टर कम्पलीट होने की राह देख रहे थे।

अब तक हम दोनों एक दूसरे के घर के सभी सदस्य से अच्छी तरह से परिचित हो चुके थे। रितेश के घर में उसके माँ ही एक महिला के रूप में थी, बाकी सभी मर्द थे।

मेरे होने वाले ससुर जो एक रिटायर आर्मी मैन थे और काफी लम्बे चौड़े थे।
बाकी रितेश से छोटे उसके दो भाई, एक बहन जिसकी शादी हो चुकी थी और उसका आदमी भी एक पुलिस वाला था और वो भी एक बलिष्ठ जिस्म का मालिक था और शादी से पहले ही मुझसे वो खुल कर हँसी मजाक करता था।
मतलब कि वलगर... और उसकी इस वलगर हँसी मजाक का जवाब भी मैं उसी तरह दिया करती थी।

खैर इसी तरह हमने अपने सेमेस्टर को कम्पलीट कर लिये और एक अच्छी कम्पनी ने कैंपस इन्टरव्यू में हम दोनों को सेलेक्ट भी कर लिया था और इत्तेफाक से हमारी जॉब भी हमारे शहर में हो गई थी, इस कारण हम लोगों को शहर भी नहीं छोड़ना पड़ा।

करीब छः महीने की जॉब के बाद हमारे परिवार वालों ने हमारी शादी कर दी।
जिसमें टोनी और मीना भी शामिल होकर हम लोगों को हमारे नये जीवन शुरू करने की बधाई दी।

शादी में एक बात जो मैंने नोटिस की कि रितेश के जीजा जिनका नाम अमित था वो मेरे आगे-पीछे घूम रहे थे, रितेश को रह रह कर चिढ़ा रहे थे और मुझे किसी न किसी बहाने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

टच करने की कोशिश कर रहे थे।

खैर शादी के झंझटों से निपटने के बाद वो रात भी आई जिसका मैं अपने कुँवारेपन से इन्तजार कर रही थी।

मैं सज संवर कर अपने कमरे मैं बैठी हुई थी और अपने पिया का इंतजार कर रही थी कि अमित कमरे में आ गया और रितेश को लगभग मेरे उपर धकेलते हुए बोला- लो सँभालो अपने मियाँ को... अगर मेरी जरूरत हो तो बताना।

जाने से पहले रितेश को आँख मार कर बोले- साले साहब दूध पीने में कोताही मत करना नहीं तो मजा खराब हो जायेगा!
और फिर मुझे बोले- तुम भी मेरे साले को दूध अच्छी तरह से पिलाना... अगर बच गया तो मैं आकर पी जाऊँगा।

शायद अमित की यह बात सुनकर रितेश थोड़ा झिझक गया और अमित को थोड़ा सा धकियाते हुए बोला- जीजा, अब जाओ ना!
अमित ने एक बार फिर रितेश को आँख मारी और कमरे से बाहर चला गया।

रितेश ने कमरे को बन्द कर लिया।

रितेश के पास बैठते ही मैं हल्के गुस्से के साथ बोली- यार, तुम्हारा जीजा मुझे सही आदमी नहीं लगा। पूरी शादी में वो मुझे टच करने की लगातार कोशिश करता रहा और अब ये द्विअर्थी बाते कि दूध अच्छी तरह से पिलाना नहीं तो मैं पी जाऊँगा।

रितेश हंसा और मेरी चूची को कस कर दबाते हुए बोला- ठीक ही तो कह रहा था... देखो अपनी चूची को, कितनी बड़ी और मस्त हो गई है, कोई भी इसको पीने के लिये मचलेगा ही ना!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब रितेश ने ऐसी बात बोली तो मैं भी उसे चिढ़ाने की गरज से बोली- फिर दूध पूरा ही पी लेना, नहीं तो तुम्हारे जीजा को पिला दूँगी। 'मुझे कोई ऐतराज नहीं… पर कोई मुझे अपना दूध पिलायेगी तो फिर तुम क्या करोगी ?'
उसकी इस बात को सुनकर मैंने बड़े प्यार से रितेश को चूमा और बोली- जब कोई मेरा दूध पी सकता है और तुम्हें ऐतराज नहीं तो फिर कोई तुम्हें अपना दूध पिलाये तो मुझे भी ऐतराज नहीं।

हम लोगों ने एक दूसरे को वचन दिया कि हम दोनों कभी भी किसी से कोई बात नहीं छिपायेंगे।
बात करते-करते कब हम दोनों के कपड़े हमारे जिस्म से गायब हो गये पता ही नहीं चला, हम बिल्कुल नंगे हो चुके थे।
रितेश का हाथ मेरी चूत को सहला रहा था और मेरे हाथ में रितेश का लंड था।

मेरी चूत हल्की सी गीली हो चुकी थी। रितेश ने मुझे बाँहों में जकड़ रखा था और मेरी पीठ को और चूतड़ को सहला रहा था।

सुहागरात से पहले मैं रितेश से कई बार चुद चुकी थी, लेकिन आज रितेश के बाँहों में मुझे एक अलग सा आनन्द मिल रहा था और मैं अपनी आँखें मूंदे हुए केवल रितेश के बालों को सहला रही थी।
रितेश मुझसे क्या कह रहा था, मुझे कुछ सुनाई नहीं पड़ रहा था, मुझे आज अपनी चुदी हुई चूत एक बार फिर से कुंवारी नजर आ रही थी।

तभी रितेश मेरे कान में बोला- आकांक्षा… मेरी जान, आज तुम्हें तुम्हारा वादा पूरा करना है। आज तुम्हारी गांड चुदने वाली है।
मैंने भी बहुत ही नशीली आवाज में कहा- जानू, ये गांड ही क्या, मैं तो तब भी पूरी तुम्हारी थी और आज भी तुम्हारी हूँ। तुम एक हजार बार मेरी गांड मार लो, मैं उफ भी नहीं करूँगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बस उदघाटन मेरी चूत से ही करना।

मेरी बात सुनते ही उसने मुझे धीरे से बिस्तर पर सीधा लेटा दिया और मेरी चूची चूसते हुए उसने मेरी नाभि में अपनी जीभ घुसेड़ दी और धीरे धीरे मेरी चूत की तरफ बढ़ने लगा, मेरी चूत को सूँघने लगा और अपनी जीभ मेरी चूत पर लगा दी।

आज पहली बार पता नहीं मुझे क्या हुआ कि मैंने रितेश को अपनी चूत से अलग कर दिया।
मैं नहीं चाहती थी कि मेरी पनियाई हुई चूत को वो चाटे।
मुझे बड़ा अजीब लग रहा था।

लेकिन रितेश को पता नहीं क्या हुआ, उसने मेरे दोनों हाथों को कस कर पकड़ा और अपनी जीभ को मेरी चूत से सटा दिया।
मैं छटपटा रही थी पर अपने आपको रितेश से छुड़ा नहीं पा रही थी।

वो मेरी चूत को चाटता ही जा रहा था।
मैं अपना होश खो रही थी और रितेश के आगे अपने आपको समर्पण करने लगी।
अब मेरी टांगें खुद-ब-खुद खुल गई, मेरे हाथ अब रितेश के सिर को पकड़ कर अपनी चूत पर और दबाव दे रहे थे।
थोड़ी देर तक वो मेरी चूत चाटता रहा और फिर उठा और एक झटके में उसने बड़ी तेजी के साथ अपने लंड को मेरी चूत की गुफा में प्रवेश करा दिया।

अचानक हुए इस हमले से मेरी चीख निकल गई।

तभी रितेश के बहन-बहनोई की आवाज आई सील टूट गई।

रितेश मुझे देखकर मुस्कुराने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं भी समझ गई थी कि रितेश ने ऐसा क्यों किया।
वो जानता था कि उसके जीजा और बहन बाहर खड़े होकर मेरी चीख का बेसबरी से इन्तजार कर रहे होंगे।

एक तेज झटका मारने के बाद रितेश मेरे ऊपर लेट गया और मुझसे बोला- यह तरीका टोनी ने मुझे बताया था।

उसके बाद हम दोनों फिर गुत्थम-गुत्था हो गये और रितेश मुझे तेज धक्के लगाता रहा। धक्के लगाने के बीच में कभी मेरी चूत को चाटता तो कभी मेरे मुँह में लंड डाल देता।

मैं बिस्तर पर सीधी लेटी रही और वो मुझे चोदता रहा, मेरी चूचियों को मसलता रहा।

अब उसके धक्कों की स्पीड बढ़ती जा रही थी कि अचानक उसका शरीर अकड़ने लगा और फिर निढाल होकर मेरे ऊपर गिर पड़ा।

ठीक उसी समय मुझे भी ऐसा महसूस हुआ कि मेरे अन्दर से कुछ बाहर आ रहा है। हालाँकि रितेश के गर्म गर्म माल को भी मैं महसूस कर सकती थी।

थोड़ी देर तक मेरे ऊपर लेटे रहने के बाद वो मुझसे अलग होकर मेरे बगल में सीधा लेट गया।
उसके मेरे ऊपर से हटते ही मेरा हाथ चूत पर चला गया और मेरी उंगलियों पर चिपचिपा सा लग गया।

मैंने चादर से ही अपनी चूत साफ की और रितेश के लंड को शादी वाली साड़ी जो मेरे बगल में पड़ी थी, उससे साफ किया।
उसके बाद मैंने अपनी टांग रितेश के ऊपर चढ़ा दी और उसके सीने पर अपना सर रख दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो मेरे बालों को सहलाता रहा, मेरी उंगलियाँ उसकी छाती के बालों को सहला रही थी।
हम दोनों के बीच एक खामोशी सी थी।

इस समय रितेश में बिल्कुल भी हरकत नहीं थी, वो निढाल सा पड़ा हुआ था।
मैं ही उसके सीने के बालों से खेल रही थी और बीच में उसके निप्पल को काट लेती थी।
वो चिहुँक उठता और मुझे हल्की सी चपत लगा देता।

थोड़ी देर ऐसा करते रहने के बाद रितेश अब मेरी तरफ मुड़ा और मेरी टांग़ को अपने कमर के उपर रख दिया और अपने होंठों को मेरे होंठो से सटा दिया।
अपने हाथों का इस्तेमाल वो बड़ी अच्छी तरीके से कर रहा था, मेरे चूतड़ सहलाता, मेरी गांड के छेद को कुरेदता, चूत में उंगली करता और पुतिया को मसल देता, जिसके कारण हल्की सी चीख निकल जाती थी।

थोड़ी देर तक तो ऐसे ही चलता रहा।
फिर हम दोनों 69 की पोज में आ गये, वो मेरी चूत और गांड चाटता रहा और मैं उसके लंड को लॉलीपॉप समझ कर चूसती रही और उसके अंडों से खेलती रही।

उसने मेरी गांड चाट-चाट कर काफी गीली कर दी और उसमे उंगली कर दी।
उंगली करते करते रितेश बोला- अब असली सुहागरात होने वाली है, अब तुम्हारी गांड का उदघाटन करूंगा।

मैं भी उसके हौंसले को बढ़ाते हुई बोली- मेरी जान, मैं भी कब से चाह रही हूँ... मेरी गांड में अपना लंड डालो।
तभी उसने मुझे अपने से अलग किया।
मैं भी पलंग से उतर कर अपने हाथों को पलंग पर इस तरह से सेट करके झुक कर खड़ी हो गई कि मेरी गांड हल्की सी खुल जाये।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसी बीच रितेश ने ढेर सारी क्रीम मेरे गांड में मल दी और लंड को एक झटके से डाल दिया।

पहली बार की तरह इस बार उसका लंड अपने जगह से नहीं भटका।
मुझे अहसास हुआ की उसके लंड का कुछ हिस्सा मेरी गांड में धंस चुका है।
मेरे मुँह से चीख निकलने वाली थी लेकिन अपने आपको संयम में रखते हुए अपने होंठो को मैंने भींच लिया ताकि आवाज बाहर न जा सके।

मुझे अहसास भी था कि जिस तरह जब पहली बार मेरी चूत चुदी तो मुझे कितना दर्द हुआ था, लेकिन बाद मैं चुदाई का बहुत मजा आने लगा, इसलिये इस दर्द को भी मैं बर्दाश्त कर रही थी।

इधर रितेश को भी मालूम था कि कैसे गांड में लंड डालना है।
इसलिये वो जब भी मेरे मुंह से हल्की भी आवाज सुनता तो रूक जाता और फिर मेरी पीठ को चाटता और मेरी चूची को मसलता।

इस तरह करीब तीन बार करने से उसका लंड पूरी तरह से मेरी गांड में चला गया था।
अब धीरे-धीरे उसके लंड की स्पीड बढ़ती जा रही थी और मेरे गांड का छेद भी खुलता जा रहा था।

कोई चार से पांच मिनट तक रितेश धक्के लगाता रहा और फिर उसका गर्म गर्म माल मेरी गांड के अन्दर गिरने लगा।
मुझे दर्द तो बहुत हो रहा था पर मजा भी बहुत आया।

आज की चुदाई की खास बात यह थी कि न तो रितेश और न ही मैंने एक दूसरे के माल को चखा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लेकिन एक ऐसी घटना घटी की न चाहते हुये वो करना पड़ा, जिसकी पक्षधर न तो मैं थी और न ही रितेश!

हुआ यूँ कि चुदने के बाद मुझे पेशाब बहुत तेज लगी थी।
मैंने रितेश को यह बात बताई तो उसने भी बताया कि उसे भी पेशाब लगी है।
लेकिन समस्या यह थी कि कमरे में अटैच बाथरूम नहीं था और मूतने के लिये बाहर जाना था।
और अगर मैं कपड़े पहनने से समय गवांती तो मेरी मूत वहीं निकल जाती।

मेरे जिस्म की हरकत बता रही थी कि मैं एक सेकेण्ड भी बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।

रितेश ने मेरी दशा को समझते हुए तुरन्त ही मुझे चादर इस प्रकार औढ़ा दी कि कहीं से मेरा जिस्म खुला न दिखे और खुद उसने जल्दी से लोअर पहन लिया।
फिर रितेश ने दरवाजे की कुंडी खोल दी।

पर यह क्या... दरवाजा बाहर से भी बंद था।
किसी ने दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया।

अब मेरे बर्दाश्त से बाहर था और हल्के सा मूत चूत के बाहर निकल चुका था और देर होने की स्थिति में मेरे अन्दर का तूफान पूरे वेग से बाहर निकल सकता था।

रितेश ने बहुत कोशिश की पर दरवाजा नहीं खुला।

हारकर रितेश ने मुझे सुझाव दिया कि मैं कमरे में ही मूत लूँ, लेकिन कमरे में मूतने पर बाद जो उससे बदबू आती तो वो भी सुबह हमारा मजाक बनता।

कोई रास्ता न देख रितेश घुटने के बल नीचे बैठ गया और मेरी चूत के सामने अपना मुंह

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

खोल दिया और मेरी गांड को सहलाते हुए मुझे मूतने का इशारा किया।

मैं क्या करूँ, इससे पहले मैं समझती कि मेरी चूत ने धार छोड़ दी जो सीधा रितेश के मुँह के अन्दर जाने लगी।

रितेश बड़े ही प्यार के साथ मेरे पेशाब को पी गया।

मुझे गुस्सा भी बहुत आ रहा था, पता नहीं मेरे दिमाग में यह बात कहाँ से आई कि हो न हो रितेश के जीजा अमित ने ही बाहर से कमरा बंद किया है।
मैंने रितेश को यह बात बताई तो उसने भी हामी भरी।

मुझे गुस्सा तो बहुत आ रहा था, उसी गुस्से में मैंने रितेश को बोला- जब भी मुझे मौका लगा तो इसी तरह तेरे जीजा के मुँह में भी मूतूंगी।

रितेश मुस्कुराया और मुझे चिपकाते हुए बोला- मूत लेना यार... अभी क्यों गुस्सा कर रही हो, अपनी सुहागरात का मजा लो।

तभी मुझे ध्यान आया कि रितेश को भी पेशाब लगी थी।
अगर रितेश मेरी मूत पी सकता है तो मैं भी उसकी मूत पी सकती हूँ।

ऐसा सोचते ही मैं तुरन्त अपने घुटने के बल पर आ गई और उससे मूतने के लिये बोला।
तो रितेश ने मना कर दिया और बोला- मैं बर्दाश्त कर लूंगा और सुबह मूत लूँगा।

लेकिन मैं नहीं मानी और रितेश को मूतने के लिये जिद करने लगी।
मेरी जिद के आगे रितेश हार गया और मेरे मुँह में धीरे-धीरे मूतने लगा।

फिर हम दोनों बिस्तर पर आ गये।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रितेश मुझे अपने से चिपकाते हुए बोला- जानू, आज के बाद जब भी मैं घर पर रहूँ, तुम पैन्टी ब्रा नहीं पहनोगी।
मैंने भी हामी भर दी।

फिर मैंने अपनी ब्रा और पैन्टी को एक किनारे कर दिया और बाकी के कपड़े पहन कर सोने की कोशिश करने लगी।

न तो मुझे और न ही रितेश को नींद आ रही थी, हम एक-दूसरे की बाहों में पड़े हुए यही सोच रहे थे कि ऐसी हरकत की किसने होगी। करवट बदलते बदलते पूरी रात बीती और जैसे ही सुबह हुई, रितेश ने दरवाजा खुलवाया।

कहानी जारी रहेगी।

saxena1973@yahoo.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Velamma

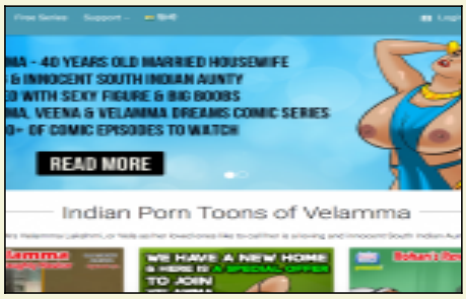

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Desi Kahani

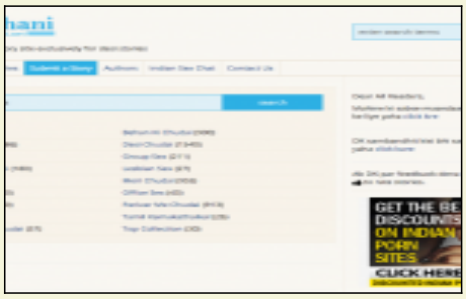

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Antarvasna Hindi Stories

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Indian Pink Girls

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire